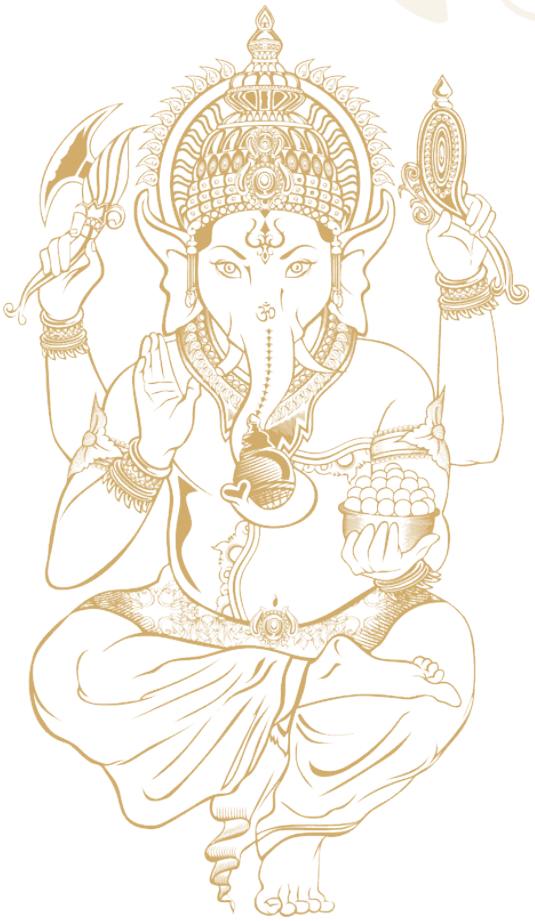

Manish Thakur

Sristhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119991103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/07/1995	जन्म तिथि	15/09/1999
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 14:25:00	जन्म समय	22:14:00 घंटे
घटी 23:17:42	जन्म समय(घटी)	41:52:08 घटी
India	देश	India
Saharsa	स्थान	Delhi
25:54:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
86:36:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:16:24	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:05:55	सूर्योदय	06:05:47
18:33:53	सूर्यास्त	18:26:48
23:47:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:57

विंशोत्तरी
राहु 9वर्ष 5मा 22दि

शनि	
15/01/2021	
16/01/2040	
शनि	19/01/2024
बुध	28/09/2026
केतु	07/11/2027
शुक्र	06/01/2031
सूर्य	19/12/2031
चन्द्र	19/07/2033
मंगल	28/08/2034
राहु	04/07/2037
गुरु	16/01/2040

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	वृष	12:47:32
सूर्य	सिंह	28:33:04
चंद्र	वृश्चि	05:14:01
मंगल	वृश्चि	14:25:50
बुध	कन्या	04:40:02
गुरु व	मेष	10:22:06
शुक्र	कर्क	25:21:16
शनि व	मेष	23:05:14
राहु व	कर्क	18:16:49
केतु व	मक	18:16:49
हर्ष व	मक	19:34:13
नेप व	मक	07:57:13
प्लूटो	वृश्चि	14:05:55

राशि	अंश
वृश्चि	10:24:18
कर्क	08:10:09
मिथु	12:58:47
कन्या	08:33:41
कर्क	05:01:02
वृश्चि व	11:50:21
कर्क	00:50:22
मीन व	00:39:22
तुला व	07:21:59
मेष व	07:21:59
मक व	04:33:06
मक व	00:08:41
वृश्चि व	04:04:28

विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 3मा 15दि

बुध	
31/12/2015	
30/12/2032	
बुध	29/05/2018
केतु	26/05/2019
शुक्र	26/03/2022
सूर्य	30/01/2023
चन्द्र	01/07/2024
मंगल	28/06/2025
राहु	15/01/2028
गुरु	22/04/2030
शनि	30/12/2032

लग्न-चलित

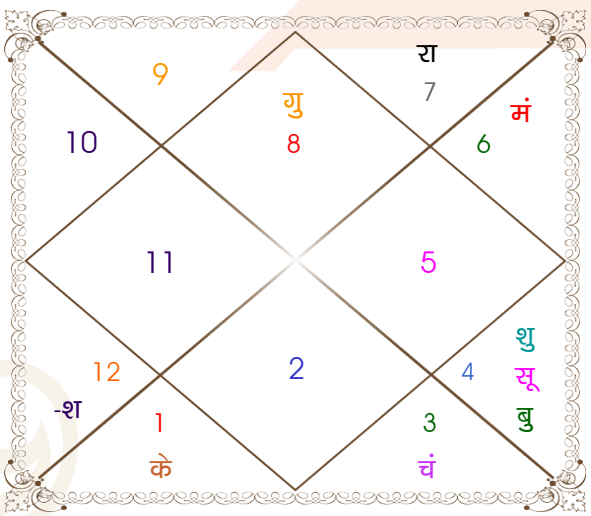

लग्न-चलित

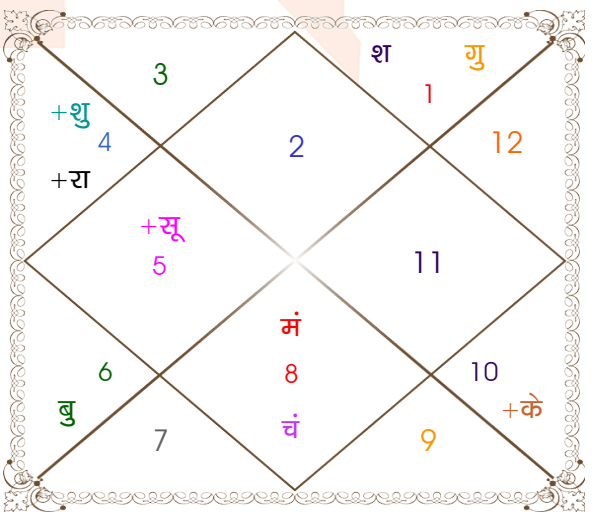

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मृग	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डंदपेी जींनत का वर्ग मार्जार है तथा ैतपेजीप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डंदपेी जींनत औरै तपेजीप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डंदपेी जींनत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ैतपेजीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैतपेजीप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ैतपेजीप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डंदपी जींनत कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डंदपी जींनत तथा तपेजीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।